ब्रिटिश काउंसिल ने शिक्षकों के लिए तैयार किया है विशेष पाठ्यक्रम

▪ शिक्षकों को मुफ्त में मिलेगी अंग्रेजी की ऑनलाइन शिक्षा

ब्रिटिश इंग्लिश सीखकर स्कूलों में नई तकनीक से विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे शिक्षक

सरकारी स्कूल के शिक्षक अब घर बैठे ब्रिटिश इंग्लिश सीख सकेंगे। ब्रिटिश काउंसिल उन्हें आसान तरीके से अंग्रेजी भाषा पढ़ाने के गुर सिखाएगी। ऑनलाइन इस सुविधा का लाभ लेकर शिक्षक अपने अध्यापन कौशल का विकास करेंगे और फिर नई तकनीक से स्कूलों में बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाएंगे।

इंदौर • डीबी स्टार

प्रदेश के हाई स्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों में अंग्रेजी विषय में बच्चों का प्रदर्शन सुधारने के लिए शिक्षा विभाग नई पहल कर रहा है। इसके तहत पहले शिक्षकों को ट्रेंड किया जाएगा। इसके बाद शिक्षक स्कूलों में बच्चों को अंग्रेजी पाठ्यक्रम नए और सरल तरीके से पढ़ाएंगे। इससे बच्चों को अंग्रेजी समझने में आसानी होगी और वे परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। दो महीने पहले विभाग ने गणित विषय के शिक्षकों को भी इसी तरह का प्रशिक्षण दिया था।

विभाग के अफसरों के मुताबिक ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से शिक्षकों को 6 हफ्ते का विशेष पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। इसकी शुरुआत 19 फरवरी होगी। ब्रिटिश काउंसिल द्वारा तैयार किए विशेष पाठ्यक्रम में अंग्रेजी भाषा पढ़ाने के कौशल पर खास ध्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षण में शामिल होने वाले शिक्षकों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों को वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यह प्रशिक्षण निःशुल्क रहेगा।

...ताकि आसान तरीके से अंग्रेजी पढ़ा सकें

प्रदेश में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए विभाग शिक्षकों के लिए कई कार्यक्रम और कोर्स करवाता है। अकसर देखने में आता है कि परीक्षाओं में विद्यार्थियों का प्रदर्शन अंग्रेजी में ठीक नहीं रहता है। कई विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई से दूर भागते हैं या सिर्फ पासिंग मार्क ही लाना चाहते हैं। इसी के चलते विभाग ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से शिक्षकों को प्रशिक्षण देगा, ताकि वे आसान और नई तकनीक से बच्चों को अंग्रेजी भाषा पढ़ा सकें।

सुधीर कौशल, डीईओ इंदौर

24 मेडिकल कॉलेज खोलने प्रधानमंत्री ने 115 शहरों का सर्वे कराया; प्रदेश के छतरपुर, दमोह सहित 8 जिले शामिल

राजीव रंजन श्रीवास्तव | टीकमगढ़

देशभर में 24 मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 115 शहरों का सर्वे कराया है। इसमें मप्र के छतरपुर, दमोह, गुना सहित 8 शहर शामिल हैं। हालांकि छतरपुर में मेडिकल कॉलेज खोलने की संभावनाएं ज्यादा बन रही हैं।

इसके लिए टीकमगढ़ के सांसद एवं केंद्रीय महिला बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी भी लिखी है। इसमें कहा है कि संसदीय क्षेत्र टीकमगढ़ व इसके आसपास 100 से 150 किमी की दूरी तक कोई भी मेडीकल कॉलेज नहीं है। छतरपुर जिला अस्पताल इसके लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां के जिला अस्पताल को मेडीकल कॉलेज में परिवर्तित किया जाए। डॉ. खटीक के अनुसार वित्त मंत्री ने अपने बजट में बताया है कि तीन लोकसभाओं में एक मेडीकल कॉलेज स्वीकृत होगा। इसके हिसाब से छतरपुर टीकमगढ़, खजुराहो व दमोह लोकसभा क्षेत्रों में विभाजित है। इस हिसाब से छतरपुर जिला मेरे संसदीय क्षेत्र में सबसे अच्छा है। छतरपुर जिला अस्पताल की तारीफ के कसीदे पढ़ते हुए उन्होंने लिखा है यहां लगभग 2500 वर्ग मीटर में है। इसके साथ ही 2000 वर्ग मीटर खुला क्षेत्र है। यहां नर्सों का ट्रेनिंग सेंटर भी बना है। यहां सभी आधारभूत सुविधाएं पहले से है। इसके अलावा सबसे पिछले जिलों में भी छतरपुर जिला शामिल है। इसके अलावा बुंदेलखंड का सबसे बड़ा जिला होने के नाते छतरपुर के जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज में परिवर्तित किया जाए।

20 फरवरी के बाद केंद्रीय टीम छतरपुर आएगी

केंद्रीय राज्यमंत्री के मुताबिक मेडिकल कॉलेज खोलने की संभावनाओं को तलाशने के लिए केंद्र सरकार ने नीति आयोग का गठन किया है। आयोग में चार विभागों को सम्मिलत किया गया है। इसी सिलसिले में महिला बाल विकास विभाग की केंद्रीय टीम 20 फरवरी के बाद छतरपुर जिले का सर्वे करेगी।

ये हैं 8 जिले: छतरपुर, दमोह, गुना, खंडवा, बड़वानी, सिंगरौली, राजगढ़, विदिशा